Email : railsamacharbureau@rediffmail.com, www.railsamacharbureauald.com

रेल समाचार ब्यूरो

भारतीय रेल देश की जीवन रेखा है, इसका आधुनिकीकरण हमारी प्राथमिकता है

R.N.I.No. 51097/90 DN/XXX/18-20 Post AD No. 8

सम्पूर्ण रेल जगत का प्रथम पाक्षिक

अपने शुभचिंतको को घर पर ही विदा करे, प्लेटपफार्म पर नहीं

हमें रेलवे की तस्वीर और बेहतर बनानी होगी

वर्ष-२६ अंक-२३.२४ प्रयागराज रेल समाचार ब्यूरो ०१-३१ दिसंबर २०१८ (संयुक्तअंक) पृष्ठ १२ मूल्य:१० रु.मात्र

गुजरात के नर्मदा में केवडिया रेलवे स्टेशन का शिलान्यास

केवडिया रेलवे स्टेशन का निर्माण सरदार पटेल के सम्मान में भारतीय रेल द्वारा दी गई श्रद्धांजलि- राष्ट्रपति

प.सू.का/नई दिल्ली। राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द ने दिनांक १५ दिसम्बर २०१८ गुजरात के नर्मदा जिले में केवडिया रेलवे स्टेशन का शिलान्यास किया। इससे पूर्व राष्ट्रपति ने स्टेच्यू ऑफ यूनिटी का दौरा किया एवं सरदार वल्लभभाई पटेल को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। केवडिया रेलवे स्टेशन के शिलान्यास के बाद जन समूह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि इस स्टेशन के निर्माण से क्षेत्र के विकास में तेजी आएगी।

उन्होंने कहा कि केवडिया रेलवे स्टेशन का निर्माण सरदार पटेल के सम्मान में भारतीय रेल द्वारा दी गई श्रद्धांजलि है।राष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय रेल न केवल देश के विभिन्न हिस्सों एवं क्षेत्रों को, बल्कि पूरे भारत के लोगों के दिलों को जोड़ती है।

राष्ट्रपति ने कहा कि गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में नरेन्द्र मोदी ने उनके सम्मान में दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा बनाने का संकल्प किया था। यह संकल्प अब सरदार पटेल की १८२ मीटर लंबी प्रतिमा के रूप में वास्तिवकता में बदल गया है।

कुंभ मे खुलेगा अक्षयवट पीएम ने किया ऐलान

रे.स.ब्यू./संवा.प्रयागराज। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार दिनांक १६.१२.२०१८ को लंबे अरसे से अकबर के किले में आस्था के प्रतीक स्थलों को खोलने की घोषणा की और लोगों की श्रद्धा भावना से जुड़े अक्षयवट तीर्थ को आम जनता के दर्शन के लिए खोलने का एलान किया। उन्होंने कहा कि त्रिवेणी में स्नान के साथ ही श्रद्धालु अक्षय वट के दर्शन भी कर सकेंगे। प्रधानमंत्री ने अंदावा में प्रयागराज के प्रभाव और अक्षयवट की महिमा का बखान भी किया। उन्होंने गोस्वामी तुलसी दास की चौपाई भी पढ़ी। उन्होंने कहा कि यह भूमि राम से जुड़ी है। इसकी महिमा अपार है। पीएम ने कहा कि अक्षय वट अपनी गहरी जड़ों के कारण बार-बार नष्ट होने के बाद भी पुष्पित-पल्लवित होता रहा है, लेकिन यह कई पीढ़ियों से अक्षयवट किले में बंद था। इससे पहले पीएम ने किले में स्थित अक्षय वट के दर्शन के लिए पहुंचे थे। वहां उन्होंने किले में अन्य देवी-देवताओं का दर्शन-पूजन किया।

झूठे वादों से सत्ता हथियाई थी भाजपा-राज बब्बर

रे.स.ब्यू./संवा। तीन राज्यों मे जीत से उत्साहित उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष राज बब्बर ने कहा कि झूठ के पैर नहीं होते। भाजपा ने झूठे वादे करके सत्ता हथिया थी। अब जनता ने छत्तीसगढ़, राजस्थान और मध्यप्रदेश के चुनाव में उसे आईना दिखाकर एक बार फिर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी में आस्था जताई है। परिणाम का यह रुझान लोकसभा चुनाव में भी दोहराया जाएगा। उन्होंने कहा कि जल्द ही सभी संगठनों का काम के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

Chairman Railway Board visits South Central Railway

RSB/Secunderabad: Ashwani Lohani, Chairman Railway Board (CRB) visited South Central Railway on 23rd November, 2018. After reaching the city in the night, Shri Lohani left for inspection of Gooty and Guntakal Railway stations. He was accompanied by Shri Vinod Kumar Yadav, General Manager, South Central Railway and Shri Vijay Pratap Singh, Divisional Railway Manager, Guntakal Division during his day long schedule at the two stations. The Chairman Railway Board commenced his inspection with a visit to Gooty Railway Station, an important junction on the Guntakal-Renigunta section. He later made a visit to the Diesel Shed, Gooty, one of the biggest maintenance facility for diesel locomotives on Indian Rail-ways. He shared his nostalgic feelings, remembering his service in the initial period of his career, over 3 decades back. Shri Ashwani Lohani praised South Central Railway as being a Model Zonal Railway in Indian Railways. He called upon the workforce to dedicate them-selves in performing to the highest levels, so as to take Indian Railways forward. He appreciated the technology up gradation adopted in work culture and the green initia-tives undertaken. Later, the Chairman Railway Board inspected Carriage Workshop Training Centre, Routine Over Haul (ROH) Depot, Model Permanent Way Depot, Air Conditioned Running Room, Road Under Bridge (RUB) between Dharmavaram – Gooty and interacted with Supervisors at Railway Institute. He also visited and paid floral tributes to the Samadhi of "Goollapaliem Hampanna", a Railway Gate keeper who was shot dead on 4th Oct 1893 by European soldiers. During the course of inspection, Shri Lohani interacted with Gangmen at Pattakota Cherruvu Railway station and handed over the latest Safety tool Kits.

The Chairman Railway Board later visited Guntakal Railway station and interacted with media and with representatives of unions, associations and individual employees. He inspected the new station building and interacted with Safai karmacharis at station.

इलाहाबाद जं पर सेल्फी प्वाईंट बना भाप इंजन

रे.स.ब्यू./संवा.प्रयागराज। इलाहाबाद जं के सिटी साइड में आरक्षण कार्यालय के बगल में रखा स्टीम लोकोमोटिव (भाप इंजन) नं० ७२ जेड बी को मंडल रेल प्रबन्धक एवं अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में इलेक्ट्रिक मोटर की मदद से दिनांक १४.१२.२०१८ को स्टार्ट किया गया। इसके पहिये घूम रहे थे और वाष्प भी निकलता दिखाई दे रहा था।

साथ ही साथ इंजन से सीटी की आवाज भी सुनाई पड़ रही थी तथा लीवर फ्रेम से आपरेट होने वाला सिग्नल भी अप एवं डाउन हो रहा था, मानो ऐसा लग रहा था जैसे इंजन चल रहा हो द्य इस इंजन की पेंटिंग कर इसे अति सुन्दर बनाया गया है।

इस इंजन को दिनांक २५.०२.१९९३ से रेलसेवा से अलग किया गया वर्तमान में इस स्टीम इंजन को इलाहाबाद जं० के सिटी साइड में दिनांक ०१. ०४.२००३ से प्रदर्शित किया गया था अब इसे आरक्षण कार्यालय के बगल में रखा गया है जिसे स्टार्ट कर दिया गया है। इस अवसर पर एक प्रेस कांफ्रेंस का भी आयोजन किया गया जिसमे मंडल रेल प्रबन्धक महोदय ने कुंभ मेला २०१६ के अवसर पर यात्रियों को प्रदान की जाने वाली सुविधाओं एवं सुरक्षा के बारे में विस्तार से बताया साथ ही साथ रेलवे मेला कंट्रोल रूम से सी सी टी वी कैमरों की निगरानी हेतु लगाये गये एलईडी के विषय में भी विस्तार से बताया एवं पत्रकार समूह को उक्त से रूबरू भी कराया।

इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक अनुराग कुमार गुप्ता, वरि. मंडल इंजीनियर/स. अतुल गुप्ता, वरि. मंडल सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर नीरज यादव, वरि. मंडल यांत्रिक इंजीनियर धनंजय सिंह, वरि. मंडल वाणिज्य प्रबंधक नवीन दीक्षित, वरि. मंडल बिजली इंजीनियर पी के यादव, स्टेशन डायरेक्टर गिरीश कंचन, स्टेशन प्रबंधक राजा राम राजपूत तथा अन्य अधिकारीगण एवं कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

हमारा लक्ष्य संरक्षा सुरक्षा एवं समय पालन

मुझे पद की लालसा नहीं-सिंधिया

रे.स.ब्यू./सू.नई दिल्ली। मध्य प्रदेश में कमलनाथ को मुख्यमंत्री घोषित किए जाने की बात पर सिंधिया ने कहा कि उन्हें इस बात पर कोई खेद नहीं है कि उन्हें मुख्यमंत्री क्यों नहीं बनाया गया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं सासंद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि उन्हें भी पिता की तरह किसी पद की लालसा नहीं है। सिंधिया ने मध्य प्रदेश का उपमुख्यमंत्री पद दिए जाने की बात पर कुछ भी कहने से इंकार कर दिया। सिंधिया ने कहा कि पार्टी उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपती है, वे उसी का पालन करते हैं। उन्होंने कहा कि मैंने सहज रूप से पार्टी हाईकमान की बात मानी और फैसला स्वीकार किया। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, जीवन में यह जानना बहुत जरूरी है कि आप क्या प्रचारित करते हैं। इस पर मैं यही कहना चाहूंगा कि मैं हमेशा पार्टी हाईकमान के फैसलों का पालन करता रहा हूं। मध्य प्रदेश में युवा चेहरे की बजाय तजुर्बे को अहमियत दिए जाने की बात पर सिंधिया ने कहा- मुझे ऐसा लगता है कि यहां बात क्षमता की है ना कि उम्र या तजुर्बे की उन्होने कहा कि मेरे पिता की तरह मुझे भी किसी प्रकार के पद की लालसा नहीं है।

हमारे ग्राहक

"हमारे पास आने वाला हर ग्राहक एक महत्वपूर्ण अभ्यागत है। वह हम पर निर्भर नहीं है, बल्कि हम उस पर निर्भर हैं। वह हमारे काम में बाधक नहीं, साधक है। वह हमारी कार्य- सीमा से विलग नहीं है, बल्कि उसका ही अंग है। हम उसकी सेवा करके उस पर उपकार नहीं करते वरन् वह हमें सेवा का अवसर प्रदान कर हमें अनुग्रहीत करता है। ग्राहक से तर्क करना उचित नहीं है। उससे तर्क करके अभी तक किसी को सफलता नहीं मिली।"

महात्मा गांधी

सराहनीय कार्य हेतु रेलवे सुरक्षा बल के जवान, महाप्रबंधक द्वारा पुरस्कृत

रे.स.ब्यू./संवा.हाजीपुर। रवीन्द्र वर्मा, महानिरीक्षक-सह-प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त, पूर्व मध्य रेल, हाजीपुर द्वारा रेल सम्पति,रेल यात्रियों एवं उनके निजी सम्पति की सुरक्षा के परिपेक्ष्य मे समय-समय पर दिये गये निर्देश के आलोक मे रे०सु०ब०/पूर्व मध्य रेल के द्वारा सराहनीय कार्य किये जा रहे है जिसके कारण बल की छवि मे आवश्यक सुधार परिलक्षित हुआ है।

हाल के दिनो मे आर० पी०एफ० के द्वारा किये गये अत्यन्त सराहनीय कार्य करने वाले कुछ जवानों को पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक एल.सी. त्रिवेदी द्वारा उनके उत्साहवर्धन एवं रेलवे सुरक्षा बल के मनोबल को बनाये रखने हेतु नगद पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया जिनका विवरण है - दिनांक २२. ११.१८ को गाडी सं०-१२३०४ डाउन पूर्वा एक्स० के कोच सं०-ए-१ के वर्थ सं०-४५ पर नई दिल्ली से पटना के लिये यात्रा कर रही महिला यात्री श्रीमती उषा देवी, बोरिंग रोड, पटना गाडी के पटना आगमन के उपरान्त अपना पर्स सीट पर ही छोड़कर ट्रेन से उतर कर चली गई। उक्त के बावत कन्ट्रोल के माध्यम से प्राप्त सूचना पर पिन्टु कुमार, उपनिरीक्षक, रेसुब पोस्ट बख्तियारपुर के द्वारा गाडी के बख्तियारपुर पहुँचने पर उक्त पर्स जिसमे सोने/हीरे के गहने, मोबाईल एवं नगद समेत कुल करीब ०३ लाख के सामान को सकुशल बरामद किया गया जिसे पीड़ित महिला यात्री श्रीमती उषा देवी उपरोक्त को उचित पहचान पर सुपुर्द किया गया। उक्त सराहनीय कार्य को देखते हुए महाप्रबंधक/ हाजीपुर के द्वारा रू०-५०००/-के नगद पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया है।

दिनांक ३०.११.२०१८ को रे०सु०ब० पोस्ट एवं सी०आई० बी० /पं.दीनदयाल उपाध्याय जं० के द्वारा गुप्त सूचना के आधार पर त्वरित कार्यवाही करते हुए जी०टी० आर० पुल के पास से रात्रि मे अर्न्तराज्य स्तर के ०६ अपराधियों को गिरफ्तार किया गया जिनकी तलाशी लिये जाने पर उनके पास से विभिन्न कंपनी के कुल १६ मोबाईल फोन, ०२ लैपटाप, ३,१०,०००/- रू० का गहना, ३४,२००/- रू० नगद कैश एवं नशाखुरानी मे प्रयोग होने वाला ७०६ ग्रा० अल्प्राजोलम दवा सहित कुल कीमत रू०-०६ लाख की बरामद करते हुए अग्रिम कार्यवाही हेतु संबंधित रा०रे०पु० को सुपुर्द किया।

महाप्रबंधक/ हाजीपुर द्वारा उक्त टीम मे सम्मिलित बल सदस्यों के मनोबल एवं उत्साह वर्धन हेतु नगद रू०-१७,०००/- के पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया।

हिन्दी का काम राष्ट्रभाषा का ही काम नहीं बल्कि राष्ट्रीयता का काम और राष्ट्रीय एकता का काम है।
डॉ. शकर दयाल शर्मा
भू० पू० भारत के राष्ट्रपति

पूर्वोत्तर रेलवे को मिला रेलमंत्री राजभाषा शील्ड

रे.स.ब्यू./संवा.गोरखपुर। पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबन्धक राजीव अग्रवाल ने १४ दिसम्बर, २०१८ को अपने बैठक कक्ष में आयोजित एक समारोह में विगत दिनों रेलवे बोर्ड स्तर पर पूर्वोत्तर रेलवे को प्रदत्त रेलमंत्री राजभाषा शील्ड प्राप्त किया। इस अवसर पर मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रमुख मुख्य इंजीनियर पी. डी. शर्मा, प्रमुख मुख्य सुरक्षा आयुक्त /रेलवे सुरक्षा बल राजाराम, वरिष्ठ उपमहाप्रबन्धक निखिल पाण्डेय तथा राजभाषा विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। ज्ञातव्य है कि रेलवे बोर्ड के सदस्य / कार्मिक एस. एन.अग्रवाल ने सदस्य / ट्रैक्शन घनश्याम सिंह, सदस्य / रोलिंग स्टाक राजेश अग्रवाल एवं सदस्य /यातायात गिरीश पिल्लई की उपस्थिति में ११ दिसम्बर, २०१८ को रेलवे बोर्ड, नई दिल्ली में पूर्वोत्तर रेलवे को रेलमंत्री राजभाषा शील्ड प्रदान किया था। सदस्य/ट्रैक्शन घनश्याम सिंह ने प्रमुख मुख्य सुरक्षा आयुक्त/ रेलवे सुरक्षा बल राजाराम को राजभाषा पदक एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर राजीव अग्रवाल ने पूर्वोत्तर रेलवे की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुये कहा कि पूर्वोत्तर रेलवे को रेलमंत्री राजभाषा चल वैजयन्ती शील्ड मिलना हम सभी के लिये गौरव की बात है।

उन्होंने कहा कि इस रेलवे के अधिकारी एवं कर्मचारी इस शील्ड से प्रेरणा लेकर भविष्य में भी अपना सभी सरकारी कार्य राजभाषा हिन्दी में करेंगे ताकि इस रेलवे की हिन्दीमय संस्कृति में उत्तरोत्तर वृद्धि होगी।

राष्ट्रीय, सामाजिक, फिल्म, व्यंग्य आदि विषयों पर अप्रकाशित लेख प्रकाशन हेतु आमंत्रित है। अपने हस्तलिखित लेख कागज की एक ओर साफ अक्षरों में भेजें। प्रधान सम्पादक

६३वाँ ऑल इंडिया रेलवे गोल्फ प्रतियोगिता का समापन

रे.स.ब्यू./संवा.हाजीपुर। पटना गोल्फ क्लब में चल रहे दो दिवसीय ६३वाँ ऑल इंडिया रेलवे गोल्फ प्रतियोगिता २०१८-१६ का दिनांक ०८.१२.२०१८ को समापन हो गया। इस प्रतियोगिता में भारतीय रेल की सभी क्षेत्रीय रेल, उत्पादन इकाईयां तथा वर्क्सशॉप के सर्वश्रेष्ठ गोल्फ खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता समापन के अवसर पर पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक सह मुख्य संरक्षक, पूर्व मध्य रेल क्रीड़ा संघ एल.सी. त्रिवेदी ने प्रतियोगिता के विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों एवं टीमों को ट्रॉफी प्रदान कर पुरस्कृत किया। महाप्रबंधक महोदय ने पूर्व मध्य रेल क्रीड़ा संघ को प्रतियोगिता के सफल संचालन के लिए २५ हजार रूपये की पुरस्कार की घोषणा भी की।

चितरंजन लोकोमोटिव फैक्ट्री ने टीम स्पर्धा में प्रथम स्थान तथा डी.एल.डब्ल्यू, वाराणसी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। लाईसेंस प्लेयर इवेंट में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर के संदीप रामटेक ने प्रथम स्थान तथा पूर्व मध्य रेल के मोहम्मद इस्लाम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

चितरंजन लोकोमोटिव फैक्ट्री के साहिल कुमार सिंह को बेस्ट गोल्फर (नेट) तथा अंतराष्ट्रीय खिलाड़ी विनय कुमार यादव को बेस्ट गोल्फर (ग्रास) का विजेता घोषित किया गया।समापन समारोह में पूर्व मध्य रेल क्रीड़ा संघ के अध्यक्ष सह वरिष्ठ उप महाप्र. नीरज अग्रवाल, पूर्व मध्य रेल क्रीड़ा संघ के महासचिव सह मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर (वर्क्स) सत्येन्द्र कुमार, प्रधान मुख्य यांत्रिक इंजीनियर अनिल शर्मा, प्रधान मुख्य इंजीनियर के.डी. रल्ह, मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर (निर्माण) राजेश कुमार, मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक बी.बी. गुप्ता, महाप्रबंधक के सचिव ए.के.झा सहित अन्य अधिकारी एवं पूर्व मध्य रेल क्रीड़ा संघ के सदस्यगण उपस्थित थे।रेलवे बोर्ड के ट्रांसफॉरमेसन सेल में पदस्थपित कार्यकारी निदेशक/ यांत्रिक ए.के.चन्द्रा प्रतियोगिता में पर्यवेक्षक के रूप में उपस्थित थे।

कुंभः संगम के तट पर महाराजाओं जैसी जिंदगी

रे.स.ब्यू./संवा.प्रयागराज। जनवरी महीनों से लगने वाले कुंभ में आने वाले मेहमान अब महाराजाओं जैसे कॉटेज में सुख-सुविधाओं का आनंद उठा पाएंगे। इंपोर्टेड कैनवस से बने इन तंबुओं में एसी, सजावट और वेस्टर्न स्टागइल के टॉइलेट समेत कई आधुनिक सुविधाएं मौजूद हैं। यहां पर आने वाले श्धालुओं को फाइव स्टॅार होटलों जैसी सुविधाएं मिलेंगी।

यही नहीं इन तंबुओं में २४ घंटे पावर सप्लाई, वाई -फाई सुविधा के साथ-साथ इंडियन और कॉन्टीनेंटल वेजिटेरियन भोजन भी मिलेगा।एक अधिकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश स्टेट टूरिज्म डिवेलपमेंट कॉर्पोरेशन (यूपीएस- टीडीसी) जवाहर लाल नेहरू रोड, सेक्टर १ मेला कैंपस में २० महाराजा स्विस कॉटेज, ३० डीलक्स स्विस कॉटेज बना रहा है। महाराजा स्विस कॉटेज और डीलक्स स्विस कॉटेज का एक दिन का किराया क्रमशः १८,००० और ६,००० रुपये होगा।

यूपीएसटीडीसी के सीनियर मैनेजर डीपी सिंह ने कहा कि दोनों कॉटेज में ठहरने वाले मेहमानों को फाइव स्टार होटलों जैसी सुविधाएं मिलेंगी एव इन कॉटेजों में १५ जनवरी से ४ मार्च २०१६ के बीच ठहर सकेंगे।

SCR to run 66 Special Trains between Various Destinations

RSB/Secunderabad: In order to clear extra rush of passengers, SCR will continue to run special trains between Tirupati-Nagarsol, H.S Nanded-Tirupati, Tirupati-Kakinada Town-Renigunta, Narsapur-Hyderabad and Hyderabad-Vijayawada as per the details given below: Tirupati- Nagarsol-Tirupati Weekly Special Trains(16 services): Train No. 07417 Tirupati–Nagarsol weekly special train will depart Tirupati at 07:30 hrs on 4th, 11th, 18th, 25th January; 1st, 8th, 15th & 22nd February, 2019 (Fridays) and arrive Nagarsol at 11:55 hrs on the next day.In the return direction, Train No. 07418 Nagarsol- Tirupati weekly special train will depart Nagarsol at 22:00 hrs on 5th, 12th, 19th, 26th January; 2nd, 9th, 16th & 23rd February, 2019 (Saturdays) and will arrive Tirupati at 04:00 hrs on the second day.Enroute, these special trains will stop at Renigunta, Gudur, Nellore, Ongole, Tenali, Guntur, Sattenapalli, Piduguralla, Nadikudi, Miryalaguda, Nalgonda, Cherlapalli, Secunderabad, Begumpet, Lingampalli, Shankarpalli, Vikarabad, Zahirabad, Bidar, Bhalki, Udgir, Latur Road, Pangaon, Parli, Gangakher, Parbhani, Manavat Road, Selu, Partur, Jalna and Aurangabad stations in both the directions.These special trains will consist of II AC, III AC, Sleeper Class and General Second Class coaches. H.S Nanded – Tirupati - H.S Nanded Special Trains(18 services): Train No. 07607 H.S Nanded - Tirupati special train will depart H.S Nanded at 18:45 hrs on 1st, 8th, 15th, 22nd, 29th January; 5th, 12th, 19th & 26th February, 2019 (Tuesdays) and arrive Tirupati at 14:00 hrs on the next day. In the return direction, Train No. 07608 Tirupati– H.S Nanded special train will depart Tirupati at 15:45 hrs on 2nd, 9th, 16th, 23rd, 30th January; 6th, 13th, 20th & 27th February, 2019 (Wednesdays) and arrive H.S Nanded at 11:30 hrs on the next day. Enroute, these special trains will stop at Mudkhed, Dharmabad, Basar, Nizamabad, Kamareddy, Malkajgiri, Secunderabad, Kazipet, Warangal, Khammam, Vijayawada, Tenali, Ongole, Nellore, Gudur, Sri Kalahasti and Renigunta stations in both the directions.These special trains will consist of II AC, III AC, Sleeper Class and General Second Class coaches. Tirupati – Kakinada Town - Renigunta Special Trains(16 services): Train No. 07942 Tirupati– Kakinada Town special train will depart Tirupati at 19:00 hrs on 6th, 13th, 20th, 27th January; 3rd, 10th, 17th & 24th February, 2019 (Sundays) and arrive Kakinada Town at 05:30 hrs on the next day. In the return direction, Train No. 07941 Kakinada Town - Renigunta special train will depart Kakinada Town at 19:00 hrs on 7th, 14th, 21st, 28th January; 4th, 11th, 18th & 25th February, 2019 (Mondays) and arrive Renigunta at 06:00 hrs on the next day. Enroute, these special trains will stop at Renigunta, Sri Kalahasti, Gudur, Nellore, Ongole, Tenali, Vijayawada, Eluru, Tadepalligudem, Rajahmundry and Samalkot stations in both the directions. These special trains will consist of General Second Class coaches. Narsapur – Hyderabad Special Trains (08 services): Train No. 07258 Narsapur- Hyderabad special train will depart Narsapur at 18:00 hrs on 6th, 13th, 20th, 27th January; 3rd, 10th, 17th & 24th February, 2019 (Sundays) and arrive/depart Secunderabad at 03:55/04:00 hrs on the next day and arrive Hyderabad at 04:45 hrs. Enroute, these special trains will also stop at Palakollu, Viravasaram, Bhimavaram Jn, Bhimavaram Town, Akividu, Kaikaluru, Gudivada, Vijayawada, Guntur, Sattenapalle, Piduguralla, Nadikudi, Miryalaguda and Nalgonda stations.These special trains will consist of II AC, III AC, Sleeper Class and General Second Class coaches. Hyderabad–Vijayawada Special Train(08 services): Train No. 07257 Hyderabad-Vijayawada Special Train will depart Hyderabad at 22:20 hrs and arrive/depart Secunderabad at 22:45 / 22:50 hrs on 7th,14th,21st,28th January; 4th,11th,18th& 25th February-19 and arrive Vijayawada at 06:35 hrs on the next day. Enroute, this special train will also stop at Kazipet, Warangal, Dornakal and Khammam stations.

ए.एस.वानखेडे, प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे राजभाषा पदक से सम्मानित

रे.स.ब्यू./संवा.बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मुख्यालय में पदस्थ प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक ए.एस.वानखेड़े को राजभाषा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने के लिए रेल मंत्रालय की ओर से दिनांकः ११ दिसम्बर, २०१८ को रेल भवन, नई दिल्ली में ''रजत पदक'' एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। वानखेड़े अपने कार्य के अलावा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के मुख्य राजभाषा अधिकारी का भी कार्य देख रहे हैं। वे विभिन्न विभागों एवं मंडलों में हिंदी में किये जा रहे कार्य का समय-समय पर निरीक्षण करते हैं और सराहनीय कार्य करने वाले अकिारियों/कर्मचारियों को प्रेरित करने के लिए पुरस्कृत भी करते हैं ताकि रेलकर्मी अपने कामकाज में हिंदी को अधिकाधिक प्राथमिकता दें। वानखेड़े बिलासपुर नगर राजभाषा समिति के उपाध्यक्ष भी हैं तथा आपके मार्गदर्शन में नगर समिति के कार्यालयों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाती है और अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रोत्साहित किया जाता है।

आपके निर्देशन में जोनल पत्रिका'प्रगति पथ' एवं नगर समिति की पत्रिका 'नगर ज्योति' का प्रकाशन, नाट्य मंचन, सेमीनार,कार्यशालाएं एवं हिंदी साहित्यकारों की जयंतियों का नियमित आयोजन किया जाता है।

हिन्दी भाषा मेल-मिलाप की भाषा
हिन्दी भाषा हम सब की भाषा

हमारे ग्राहक

"हमारे पास आने वाला हर ग्राहक एक महत्वपूर्ण अभ्यागत है। वह हम पर निर्भर नहीं है, बल्कि हम उस पर निर्भर हैं। वह हमारे काम में बाधक नहीं, साधक है। वह हमारी कार्य-सीमा से विलग नहीं है, बल्कि उसका ही अंग है। हम उसकी सेवा करके उस पर उपकार नहीं करते वरन् वह हमें सेवा का अवसर प्रदान कर हमें अनुग्रहीत करता है। ग्राहक से तर्क करना उचित नहीं है। उससे तर्क करके अभी तक किसी को सफलता नहीं मिली।"

महात्मा गांधी

कुंभः इलाहाबाद जंक्शन के सिविल लाइंस साइड से रहेगा प्रवेश निषेध

रे.स.ब्यू./संवा. प्रयागराज। पिछले कुंभ में मौनी अमावस्या के दिन मची भगदड़ की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए रेलवे द्वारा व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं। पिछले कुंभ में जंक्शन के फुट ओवर ब्रिज में दोनों ओर से भीड़ आ जाने के चलते मची भगदड़ ही हादसे की मुख्य वजह मानी गई थी। जिसे देखते हुए इस बार सिविल लाइंस साइड से प्रवेश पर रोक लगा दी है। सूत्रों के अनुसार सिविल लाइंस साइड से सिर्फ बाहर ही निकलने दिया जाएगा।

जंक्शन में संवाददाताओं को मंडल के डीआरएम अमिताभ ने बताया कि कुंभ के सभी प्रमुख स्नान पर्व के एक दिन पहले एवं पर्व के दो दिन बाद तक सिविल लाइंस साइड से जंक्शन पर प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

इस अवधि में सिविल लाइंस साइड से यात्रियों को बाहर जरूर आने दिया जाएगा। अगर स्नान पर्व के अतिरिक्त किसी दिन भीड़ बढ़ती है तब भी यात्रियों को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। मेला अवधि में जंक्शन पर सभी पार्किंग स्थल बंद रहेंगे। रेलकर्मियों के लिए विभागीय पार्किंग बनाई जाएगी।

परिचय पत्र दिखाने के बाद उन्हें वाहन खड़ा करने की अनुमति मिलेगी। मेला अवधि में श्रद्धालुओं को यात्री आश्रय स्थल के माध्यम से ही प्रवेश दिया जाएगा। जबकि आम यात्री जिनके पास रिजर्वेशन टिकट हैं उन्हें सिटी साइड स्थित मुख्य गेट से प्रवेश दिया जाएगा।

यदि मनुष्य कुछ सीखना चाहे, तो उसकी हर भूल उसे कुछ शिक्षा दे सकती है।
महात्मा गांधी

"कुशीनारा से गुजरते" पर संगोष्ठी का आयोजन

रे.स.ब्यू./संवा.हाजीपुर। पूर्व मध्य रेल, मुख्यालय में राजभाषा विभाग की ओर से दिनांक ०७.१२.२०१८ को संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह संगोष्ठी हाल ही में रेलवे बोर्ड द्वारा मैथिलीशरण गुप्त पुरस्कार प्राप्त कृति "कुशीनारा पर गुजरते'' पर केंद्रीत था। उल्लेखनीय है कि यह पुस्तक राजभाषा विभाग में कार्यरत वरि. अनुवादक राजकिशोर राजन की चौथी काव्य-कृति है। संगोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे दिलीप कुमार, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी सह उप मुख्य वाणिज्य प्रबंधक/पीएस ने विस्तार पूर्वक पुस्तक के संबंध में जानकारी दी।

साथ ही बुद्ध की जीवन यात्रा पर अपने विचार प्रकट किए। उन्होंने समकालीन कविता की भाषा और शिल्प के संबंध में बोलते हुए कहा कि आज कविता पहले से अधिक चुनौतियों से जूझ रही है और जो कवि वर्तमान चुनौतियों से जितना अधिक जूझेगा उसकी कविता में जन से जुड़ने की ताकत उतनी ही ज्यादा पैदा होगी। उन्होंने "कुशीनारा से गुजरते" पुस्तक की कुछ महत्वपूर्ण पहलुओं पर ध्यान आकृष्ट किया और कहा कि हम सभी के लिए आज का दिन रेखांकित करने योग्य है। दिलीप कुमार ने कहा कि राजकिशोर राजन की यह उपलब्धि सिर्फ उनकी नहीं, अपितु पूर्व मध्य रेल की है।

बतौर मुख्य अतिथि इस कार्यक्रम में मौजूद प्रख्यात साहित्यकार शालीग्राम सिंह "अशांत"ने हिंदी भाषा और साहित्य की विकास प्रक्रिया को रेखांकित करते हुए कहा कि समकालीन हिंदी कविता, छायावाद की यात्रा करते हुए बहुत आगे बढ़ गई है, उन्होंने साहित्य के आंदोलनों और वैश्विक परिवर्तनों के बीच अंतर संबंधों को समझाते हुए कहा कि साहित्य की मशाल हमेशा राजनीति से आगे चलती है। कार्यक्रम का संचालन संगीतकार सिद्धी शंकर ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन राजभाषा अधिकारी अशोक कुमार श्रीवास्तव ने किया।

> कोई भी चीज़ इतनी अच्छी नहीं होती जितनी प्रतीत होती है।
> जार्ज इलियट

ब्यास स्टेशन पर रेलगाड़ियों का अतिरिक्त ठहराव

रे.स.ब्यू./संवा.नई दिल्ली। रेलयात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे ने रेलगाड़ी संख्या १२३५७/ १२३५८ कोलकत्ता-अमृतसर - कोलकत्ता दुर्गियाना एक्सप्रेस तथा २२१२५ / २२१२६ नागपुर - अमृतसर - नागपुर एक्सप्रेस को ब्यास स्टेशन पर दिनांक १२.१२.२०१८ से छः माह की प्रयोगात्मक अवधि के लिए अतिरिक्त ठहराव देने का निर्णय लिया है।

गाड़ी संख्या १२३५७ कोलकत्ता - अमृतसर दुर्गियाना एक्सप्रेस सांय ०४.२२. बजे ब्यास स्टेशन पर ठहरेगी जबकि इसकी वापसी सेवा १२३५८ अमृतसर-कोलकत्ता दुर्गियाना एक्सप्रेस प्रातः ०६.२५ बजे ठहरेगी।

रेलवे के प्रवक्ता के अनुसार दोनों दिशाओं में यह ठहराव २-२ मिनट के लिए होगा। २२१२५ नागपुर - अमृतसर एक्सप्रेस रात्रि ०८.१५ बजे ब्यास स्टेशन पर ठहरेगी जबकि इसकी वापसी सेवा २२१२६ अमृतसर-नागपुर एक्सप्रेस प्रातः ०४.४० बजे ठहरेगी। दोनों दिशाओं में यह ठहराव २-२ मिनट के लिए होगा।

मंदिर पर जल्द फैसला ले सरकार- महंत नरेंद्र गिरि

रे.स.ब्यू./संवा.प्रयागराज। अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत नरेंद्र गिरि ने बड़ा बयान जारी कर कहा कि यदि अयोध्या में राम मंदिर निर्माण जल्द फैसला नहीं लिया गया तो यह मोदी सरकार का आखिरी साल होगा।

उन्होंने कहा कि राज्य और देश में भाजपा सरकार के होने के बाद भी अगर अयोध्या में राम मंदिर न बना तो मोदी सरकार का यह आखिरी साल होगा।

अध्यक्ष ने कहा कि आरएसएस, विश्व हिन्दू परिषद और अखाड़ा परिषद सभी राममंदिर निर्माण क पक्ष में हैं। देश में पूरी तरह से माहौल बना है। अगर इस बार राम मंदिर न बना तो भाजपा सरकार का यह आखिरी साल होगा।

भारत रत्न बाबा साहब डा. भीम राव अम्बेडकर का ६३ वाँ महापरिनिर्वाण दिवस समारोह का आयोजन

रे.स.ब्यू./संवा. प्रयागराज। मंडल रेल प्रबन्धक कार्यालय इलाहाबाद में दिनांक ०६.१२.२०१८ को भारत रत्न बाबा साहब डा० भीम राव अम्बेडकर का एक ६३ वाँ महापरिनिर्वाण दिवस मनाया गया। इस अवसर पर मण्डल रेल प्रबन्धक अमिताभ, अपर मण्डल रेल प्रबन्धक अनुराग कुमार गुप्ता, वरिष्ठ मण्डल कार्मिक अधिकारी अभिषेक रंजन तथा मंडल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बाबा साहब को माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया और एक संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया। मंडल रेल प्रबंधक अमिताभ ने अपने संबोधन में कहा कि डा० भीम राव अम्बेडकर ने छोटे परिवार में जन्म लेकर उच्च शिक्षा ग्रहण किया। संविधान का निर्माण किया और अपना जीवन देश के प्रति समर्पित कर दिया हम सब बाबा साहब के पद चिन्हों पर चलें यही उनके प्रति सच्ची श्रधांजलि होगी। पराग प्रसाद ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि विपरीत परिस्थितियों में कुछ लोग टूट जाते हैं तो कुछ लोग रकार्ड तोड़ देते है ऐसे ही थे बाबा साहब जिन्होंने विषम परिस्थितियों में भी महान कार्य किया, मण्डल सचिव एससी/ एसटी एसोसियेशन, दिनेश ने कहा कि बाबा साहब किसी धर्म के विरोधी नहीं थे प्रेम भाव के धनी थे तथा रमा शंकर जी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि बाबा साहब अपने जीवन में संत कबीर, महात्मा फुले तथा महात्मा बुद्ध के विचारों से प्रेरित रहे और इनके विचारों से प्रेरणा लेकर कार्य किया मानव हित में उन्होंने अपना जीवन समर्पित कर दिया। लालसा राम जोनल सचिव एससी / एसटी एसोसियेशन, ने कहा कि बाबा साहब के बताये हुए रस्ते पर चलकर देश का निर्माण करना होगा। अंत में अपर मंडल रेल प्रबन्धक, अनुराग कुमार गुप्ता ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि डा० भीम राव अम्बेडकर बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। इस अवसर पर मण्डल के अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

Initiatives directly beneficial to passenger being taken by NFR

RSB/Maligaon:N.F. Railway is on a continuous mission to provide better amenities and facilities to rail users and passengers. Apart from taking the initiatives on digital front, added thrust has been put in various fronts like cleanliness and catering services apart from providing better infrastructure in station premises. About Rs. 10 crs will be spent this current year to further promote digitization. Digitization has already resulted in shifting of 50.32% reservation workload to E-ticketing platforms as on October, 2018. Universal Payment Interface (UPI) has already been introduced in all Passenger Reservation System (PRS) & Unreserved Ticketing System (UTS) counters. 178 POS (point of sale) machines have been provided at different PRS counters and 88 POS machines at various catering units to promote cashless transaction. E-catering has been introduced in all trains. Mobile ticketing (UTS on Mobile) introduced over N.F. Railway w.e.f 25.10.2018 for cashless transaction of unreserved tickets.

Mechanised cleaning has been introduced in 371 stations to provide passenger better cleanliness and hygienic environzment at stations. New Foot Over Bridges, Lifts, Divyangjan friendly toilets are being provided at many stations aiming to provide better amenities to all sections of the society. 3 lifts have already been commissioned, about 40 more lifts and 18 escalators will be provided soon. 4 (four) new UTS counters and 5 (five) new UTS cum PRS counters have been opened during the current financial year.

RAJEN GOHAIN LAYS FOUNDATION FOR ELECTRIFICATION OF GUWAHATI-LUMDING SECTION

RSB/Maligaon: Minister of State of Railways, Shri Rajen Gohain laid the Foundation Stones for Electrification of the Guwahati – Lumding section of N. F. Railway and Re-development Work of Guwahati Railway Station and also inaugurated a lift for passengers at Guwahati Railway station at a largely-attended public function in Guwahati. The General Manager of N. F. Railway, Sanjive Roy, DRM of Lumding Division Ashish Sharma, other senior railway officials and hundreds of enthusiastic people were present at the function. Laying the foundation stone of the 180km long Guwahati–Lumding section of N. F. Railway Shri Gohain said that he had always tried to help people of the State with more and more Railway facilities. The project is estimated to cost about Rs.243 crore. He said, electrification of railway trackswould reduce the country's dependence on imported diesel which accounts for large outflow of foreign exchange reserve This will help the country to become self-reliant and also considerably reduce pollutions. The Minister said that electrification of New Bongaigaon - Guwahati section was progressing well and was likely to be completed by end of next year.The Minister said that 98% of work for bridge over river Brahmaputra at Bogibeel near Dibrugarh has been completed and the bridge will be opened in December this year. Shri Gohain also said that a proposal for setting up a Digital Rail Museum at Guwahati station is under active consideration of the Railway Ministry. He also said that he had asked the concerned officials to examine feasibility of setting up of a Cleaning Training Centre as set up in New Tinsukia which would be providing training to railway staff as well other unemployed youths on use of machines for cleaning and other aspects of cleaning in trains and railway premises so that employment can be generated through skill-development. He said, as part of the redevelopment works Guwahati station will be given a new look by improvement of circulating area, construction of 12 new retiring rooms, construction of covered walk - way, improvements to passenger amenities and construction of an International Tourist Bureau. The station circulating area will be improved and provided with Granite flooring and another escalator will be provided. It may be mentioned that re-development of station through Soft Upgrades is part of Indian Railways plan to bring visible changes in railway stations without piecemeal short term constructions so that passengers get better amenities and comfort while undertaking journeys. The project for redevelopment of Guwahati station will cost about Rs. 15 crores.

यहां पूरी होती है सबकी मनोकामना

रे.स.ब्यू./संवा. प्रयागराज। बलरापुर हाउस भारत स्काउट चौराहे के समीप स्थित हनुमान शिव मंदिर में श्रद्धा और भक्ति से पूजन-अर्चन करे वाले साधकों की हर मुराद पूरी होती है। मंदिर में दर्शन और पूजन के लिए दूर-दराज से लोग आते हैं। इस मंदिर में हनुमान जी की मूर्ति की स्थापना कब हुई इसका कोई लिखित साक्ष्य नही है, लेकिन शिवजी की मूर्ति की स्थापना १६८२ में हुई। शुरू में शिव बारात भी निकली लेकिन बाद में बारात निकालने का कार्यक्रम बंद हो गया। मंदिर में भगवान विष्णु भी स्थापित हैं। मंदिर का मुख्य द्वार पूरब होने के साथ भगवान विष्णु और हनुमान जी का भी मुख पूरब में है। जबकि भगवान शिव उत्तराभिमुख हैं। उत्तरा- भिमुख शिव का विशेष महत्व है। सोमवार, मंगलवार और शनिवार को मंदिर में श्रद्धालुओं की बड़ी भीड़ होती है।

बीएचयू के चीफ प्रॉक्टर के खिलाफ कार्रवाई को खून से लिखा पत्र

रे.स.ब्यू./सू. वाराणसी। बीएचयू में चीफ प्रॉक्टर रोयाना सिंह और छात्रों के बीच विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। पिछले कई दिनों से धरना दे रहे छात्र चरणबद्ध तरीके से आंदोलन कर रहे हैं। इसी क्रम में सोमवार दिनाक १०.१२.२०१८ को अपने खून से पत्र लिखकर उसे राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, राज्यपाल आदि को भेजकर चीफ प्रॉक्टर के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की। धरना दे रहे छात्रों ने बताया कि नर्सिंग छात्र-छात्राओं के साथ मारपीट, परिसर से चंदन के पेड़ काटे जाने, विभागों में चोरी की घटनाएं बढ़ गई हैं, इस पर अंकुश लगाने के लिए को ठोस कार्रवाई नहीं हो रही है।

Elimination of Violence Against Women Employees is Top priority for SCR-GM

RSB/Secunderabad: Vinod Kumar Yadav, General Manager, South Central Railway stated that, South Central Railway has taken several initiatives towards elimination of violence against women employees to provide confidence amongst staff of SCR. He was the Chief Guest at the "UN Day for Elimination of Violence Against Women" a program organized by South Central Railway Employees Sangh (SCRES), on 26th Nov 2018 at Sr. Institute, Lallaguda, Secunderabad. In his address, GM said that the violence against women is a global problem and it should be addressed properly. South Central Railway has taken several proactive steps and initiatives to ensure safety for the women employees. To showcase the strength of women workforce, SCR declared six railway stations as "All Women Stations", wherein all the activities like train operations, ticketing, Security etc are totally managed by women employees. He also informed that, to provide safe environment for women at work place, several committees have been constituted at zonal and divisional levels, comprising Senior Railway Officials and Others to handle the cases of harassment against women employees at work place. He informed that, separate staff room, rest room, toilet and change room for women employees are provided on zone at all the required locations. He also appreciated the SCRES as well as South Central Railway Women's Welfare Organization for their initiatives and continuous efforts in creating awareness in the society to respect the values of women. Smt. Padmini Radhakrishnan, PFA, SCR specking on the occasion stated that, it is the responsibility of every woman employee to bring to the notice of administration on any act of violence against women employees at work place and to negate the issue properly. She also informed that, now a day's different types of violence on women taking place across the globe, such as Cyber harassment, forced marriages etc and she called upon to counter all these types of violence collectively. Smt. Padmini Radhakrishnan was felicitated by the GM on the occasion. M.Raghavaiah, General Secretary NFIR and SCR Employees Sangh, addressing the gathering stated that all the men employees should respect the women employees and respecting women should become part of our culture, allow women to develop on their own self to encourage them is all spheres. He also said that if we lose character, we will lose everything in the society and organization.

He advised the employees to work with unity and good conduct to bring laurels to SCR. N.V.Ramana Reddy, PCPO, SCR, Prabhakar Andrew, President, SCR Employees Sangh and Smt.M. Umanagendramani, Vice President, SCR Employees Sangh, & Chair Person, Women Wing, INTUC also spoken on the occasion.

नदिया के पार

-गिरीश चन्द्र पाण्डे

चल! मरे साथ चल
नदिया के पार चल
त्याग दे प्रतिद्वंद्विता
निकल आ क्लेश अग्नि से
चल! मेरे साथ चल
नदिया के पार चल।

तू क्या लेकर आया था
तू क्या लेकर जाएगा
दोहराता हूं वही तेरे
पाखंड और आडंबर
चल! मेरे साथ चल
नदिया के पार चल।

बिछड़ता है तो बिछड़
खोता है तो खो
न लौट फिर आशियाने में
चल! मेरे साथ चल
नदिया के पार चल।

हमारा लक्ष्य संरक्षा सुरक्षा एवं समय पालन

किसी भी प्रकार का ज्वलनशील एवं विस्फोटक पदार्थ लेकर रेल यात्रा ना करें।

CRIME CONFERENCE HELD AT SOUTHERN RAILWAY

RSB/Chennai : The RPF Crime Conference held at Security Commissionerate, Southern Railway on 12.12. 2018 under the president ship of Birendra Kumar, IG cum Principal Chief Security Commissioner/ RPF, Southern Railway with the participation of Sr.Divisional Security Commissioner/RPF, Chennai Division and Divisional Security Commissioners / RPF of Trichy, Madurai, Salem, Palakkad and Trivandrum Divisions discussed a couple of security related problems to the Rail passengers and adopted a couple of resolutions. It was aimed for enhancing the security and dealing with incidents of crime against women and children at Railway stations and trains besides intensifying surveill-ance through CCTVs, to curb the crime against passenger and their belongings. IG/RPF viewed the Power Point Presentation by each Divisional In-charge officials. He conveyed that Sri. Arun Kumar, IPS., DG/RPF has directed each Railway Zone to identify the locations/areas prone for human trespass and to take steps for constructing high rise compound walls to prevent untoward incidents, and appealed to the officers to take immediate steps on this.

He also advised to improve the security at major Railway stations and in trains by establishing high profile presence of RPF and also by involving modern security gadgets. The overall perfor-mance of the Divisions were reviewed and instructions have been issued to equip RPF to prepare for next generation requirements.

आवश्यकता हैं। रेल समाचार ब्यूरो में

संवाददाता एवं क्षेत्रीय विज्ञापन प्रबन्धक हेतु शीघ्र सम्पर्क करे अथवा आवेदन पत्र भेजें।

प्रबन्ध संपादकः- केन्द्रीय कार्यालय ५०२ पंचशीला त्रिवेणी रोड, प्रयागराज

Phone : (0532) 2418040, (M) 9651804788,9793956044 Email-railsamacharbureau@rediffmail.com

पोस्ट बाक्स नं. ११११ डाक मुख्यालय प्रयागराज -२११००३

मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/ निर्माण/दक्षिण की सेवानिवृत्ति पर दी गयी विदाई

रे.स.ब्यू./संवा हाजीपुर। पूर्व मध्य रेल के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण/ दक्षिण बी. चौधरी अपनी ३५ वर्षो की उत्कृट सेवा देने के उपरांत दिनांक ३०. ११.२०१८ को रेल सेवा से सेवानिवृत्त हो गये। इस अवसर पर मुख्यालय के सभाकक्ष में पूर्व मध्य रेल अधिकारी एसोसिएशन द्वारा इन्हें विदाई दी गयी जिसमें महाप्रबंधक एल.सी.त्रिवेदी एवं अपर महाप्रबंधक विद्या भूषण सहित सभी विभागाध्यक्ष उपस्थित थे। इस अवसर पर पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक एल.सी.त्रिवेदी ने चौधरी के कार्यकाल की प्रशंसा की। उन्होंने उनके अच्छे स्वास्थ्य तथा उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि रेल में इनके द्वारा किया गया योगदान काफी महत्वपूर्ण है। पूर्व मध्य रेल में चौधरी ने मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण के पद पर कार्य करते हुए लगभग ०२ साल के कार्यकाल में कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं को अपनी देख-रेख में पूरा करवाया जिसमें शिवपुर- टोरी नई लाइन, कोडरमा-रांची नई रेल लाईन परियोजना का बरकाकाना- सिधवर, तांतीसिल्वा- शांकी रेलखंड शामिल हैं। इनमें से शिवपुर-टोरी नई लाइन का निर्माण विषम परिस्थितियों के बावजूद आपके कुशल नेतृत्व में निर्धारित समय पर पूरा किया गया। कोयला प्रधान क्षेत्र में इस लाइन के चालू हो जाने से पूर्व मध्य रेल को कोयले के लदान से भविष्य में आय की दृष्टि से काफी लाभ होगा। इसके साथ ही आपने पं.दीनदयाल उपाध्याय जं.-गया रेलखंड पर नया सोन ब्रिज संख्या ५३१ के निर्माण में भी आपका महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

दिल्ली-एनसीआर में पर्यटन को बढ़ाने हेतु रेल मंत्रालय ने किया मैडम तुसाद मोम संग्रहालय के साथ समझौता

प.सू.का/नई दिल्ली। रेल मंत्रालय के राष्ट्रीय रेल संग्रहालय ने दिल्ली-एनसीआर के पर्यटकों को दोहरा लाभ उपलब्ध कराने के लिए मैडम तुसाद मोम संग्रहालय के साथ समझौता किया है। समझौते के तहत मैडम तुसाद संग्रहालय जाने वाले राष्ट्रीय रेल संग्रहालय के आगंतुकों को टिकट पर ३५ फीसदी की विशेष छूट दी जाएगी। इसी तरह मैडम तुसाद मोम संग्रहालय के आगंतुकों को रा ट्रीय रेल संग्रहालय जाने पर टिकट पर ३५ फीसदी की आकर्षक छूट दी जाएगी। ऐसा पाया गया कि सार्वजनिक-निजी संग्रहालयों के इस समझौते से राष्ट्रीय रेल संग्रहालय और मैडम तुसाद मोम संग्रहालय के पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी। इस सम्बंध में रेल मंत्रालय और मैडम तुसाद मोम संग्रहालय के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस मौके पर रेलवे बोर्ड के सचिव रंजनेश सहाय, मैडम तुसाद मोम संग्रहालय के निदेशक एवं महाप्रबंधक अंशुल जैन, रेल मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी और अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। समझौते के तहत टिकट पर छूट के अलावा स्कूली छात्रों के लिए विशेष प्रावधान है। स्कूली छात्रों को दोनों संग्रहालय जाने पर ४५ फीसदी की छूट दी जाएगी। इससे रेल विरासत को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी और बच्चों को भी राष्ट्रीय नायकों के बारे में जानने का मौका मिलेगा, जिससे छात्रों की सैर अधिक समावेशी, संपूर्ण और मजेदार हो जाएगी। दिल्ली में कई प्रसिद्ध संग्रहालय हैं, लेकिन उनमें से कई संग्रहालयों में जाने के लिए व्यक्तिगत टिकट अनिवार्य है। इस समझौते का उद्देश्य अधिक संग्रहालयों में ३ से ४ दिनों के बीच घुमने के लिए छूट वाली एक टिकट की अवधारणा को बढ़ावा देना है। यह व्यवस्था पर्यटकों के लिए न केवल सुविधाजनक है, बल्कि इससे पर्यटन उद्योग को प्रोत्साहन भी मिलेगा। पृष्ठभूमि भारतीय रेल द्वारा चलाया जा रहा राष्ट्रीय रेल संग्रहालय दिल्ली–एनसीआर के इलाके में शिक्षा और मनोरंजन से जुड़ा एक अहम पर्यटन स्थल है, जहां एक साल में पांच लाख से अधिक लोग आते हैं। राष्ट्रीय रेल संग्रहालय में एक ही जगह रेल का इतिहास और उसकी विरासत को समझने का मौका मिलता है, और बच्चों को भी खेल तथा अन्य गतिविधियों में शामिल होने का अवसर मिलता है। दिल्ली के चाणक्यपुरी में स्थित राष्ट्रीय रेल संग्रहालय ११ एकड़ जमीन में फैला है। संग्रहालय में आउटडोर और इंडोर प्रदर्शनी के लिए जगह आवंटित है। इसके साथ ही बच्चों के लिए जय ट्रेन, रेल स्टीम इंजन, सौ से अधिक कलातियों और डिजिटल डिस्प्ले, डीजल और स्टीम लोकोमोटिव के विदेशी संग्रह के साथ सिम्युलेटर, वीआर आधारित कोच सिम्युलेटर आदि हैं।

तल वाला कुआं

- श्रीमती संयोगिता शर्मा

बहुत सोचा था मैंने,
तल नहीं मैं पाऊंगा।
पाऊंगा जो कुछ भी,
अपने में समाऊंगा।
शुद्ध, मुख, ओला, कंकड़,
अस्त्र, पनही, डांडा, वस्त्र
क्या-क्या नही पनिहारिन डाला,
खोटा पलटा नेकी डाला।
बांधा था जो धीरज मैंने
सब टुकड़े-टुकड़े कर डाला।
प्यास बुझाता मैं सबकी
तिरस्कृत मुझको कर डाला।
बहुत सोचा था मैने,
तल नहीं मैं पाऊंगा।
पाऊंगा जो कुछ भी,
अपने में समाऊंगा।
हे ईश्वर, कृपा करना,
हार गया मैं बिन तल के
भूल मेरी क्षमा करना
कर पाऊं नाश बुराई का
तल तू मेरा धरना,
तल तू मेरा धरना।
बहुत सोचा था मैंने,
तल नहीं मैं पाऊंगा।
पाऊंगा जो कुछ भी
अपने में समाऊंगा।

सम्पादकीय

तैयारियों का भरोसा

संगम तीरे कुंभ के आयोजन की तिथि अब नजदीक आ गई है। सगम को सारी सुख सुविधाओं से परिपूर्ण करने के लिए कार्यदायी संस्थाओं ने दिन रात एक कर रखा है, परंतु क्या तैयारियों का जो भरोसा दिया गया है, वह जनता के नजरिए सेउचित होगा।

अनन फानन में कराया जा रहा कार्य मान पर ठीक नही है। सवाल यह भी है कि क्या जनता को दी रही सुविधाएं उन्हें एक माह के लिए भी राहत दे पाएंगी। पहले से ही अगर समुचित निगरानी होती रह, जांच कर कार्यवाई लगातार चलती रहे, तो फिर हर स्तर पर कार्य के ठीक ढग से संचालित होने की संभावना रहती है। जिस तरह से प्रशासनिक ढांचा शिथिल पड़ जाता है, उससे तो हर बार शुरू में सख्ती नजर आती है और बाद में सब कुछ ठंडे बस्ते में। शायद इसका अनुमान प्रत्येक कार्यदायी संस्था को ही चुका है और वह जुगाड टेक्नालाजी का प्रयोग कर आसानी से कार्य को शुरू भी कर देती है।

खामियाजा जनता के पाले में आ जाता है। संगम का मेला करोड़ों लोगों की आस्था का प्रतीक है। अब देखना है कि जनता के लिए यह कितनी राहत और कितनी आफत सामने आती है।

रिश्तों को सहेजने की दरकार

आज के सामाजिक ताने-बाने में रिश्तों की चमक फीकी-सी पड़ गई है। लोग रिश्तों को जीने की बजाए उसे ढोने लग गए हैं। आज की इस भागदौड़ भरी जिंदगी में उनके पास अपने परिजनों के लिए भी समय नहीं है। ऐसे में कोई तीज-त्योहार आता है तो वो भी महज एक रस्म बनकर रह गया हैं अगर इन त्योहारों की गरिमा को सहेज कर रखना है तो रिश्तों की आत्मीयता बनाए रखने की जरूरत है।

भारत और जापान की संयुक्त परियोजना ”रेलवे संरक्षा पर क्षमता विकास“ पर JCC की बैठक आयोजित

रे.स.ब्यू./संवा.नई दिल्ली। ”रेल संरक्षा में क्षमता विकास“ पर भारत-जापान परियोजना के लिए बनी पहली संयुक्त समन्वय समिति की बैठक का आयोजन दिनांक ०५.१२.२०१८ को नई दिल्ली स्थित उत्तर रेलवे, प्रधान कार्यालय में किया गया।

इस बैठक की अध्यक्षता उत्तर रेलवे के महाप्रबन्धक, टी. पी. सिंह ने की। बैठक में भारत की ओर से रेलवे बोर्ड, उत्तर रेलवे, डेडिकेटिड फ्रेट कोरिडोर कार्पोरेशन लिमिटेड और रेल संरक्षा आयोग के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। जापान की ओर से जापान सरकार, जापानी दूतावास, जापान ट्रांसपोर्ट सेफ्टी बोर्ड और जापान इंटर नेशनल कार्पोरेशन एजेंसी के अधिकारियों ने भाग लिया।

भारतीय रेल जापान के साथ रेल-क्षेत्र में गहन सहयोग ले रहा है।वर्तमान में वेस्टर्न डेडिकेटिड फ्रेट कोरिडोर और मुम्बई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल प्रोजेक्ट का क्रियान्वयन चल रहा है। संरक्षा के क्षेत्र में बेहतर उपायों को साझा करने के लिए ”रेल संरक्षा पर क्षमता विकास“ संबंधी परियोजनाएं शुरू की गयी हैं।

इस परियोजना के अंतर्गत पहले चरण में भारतीय रेलवे के ६० अधिकारियों को जापान के चुनिंदा क्षेत्रें में प्रशिक्षण दिया जायेगा।

जापान और भारतीय रेल के प्रतिनिधियों वाली यह समन्वय समिति इस परियोजना की शीर्ष स्तरीय समिति है।

बैठक के दौरान जापान की ओर से चलाई जाने वाली गतिविधियों और उनके नतीजों पर विस्तृत चर्चा की गयी।

उप मुख्य प्रबंधक (सू.प्रौ.), दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे को मिला रेलवे बोर्ड के द्वारा प्रेमचंद पुरस्कार

रे.स.ब्यू./संवा.बिलासपुर। रेलवे बोर्ड के द्वारा हर वर्ष रेल अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके परिजनों की साहित्यिक अभिरूचि को प्रोत्साहित करने हेतु कथा/ कहानी संग्रह एवं उपन्यास के लेखन पर प्रेमचंद पुरस्कार योजना के तहत सर्वश्रेष्ठ लेखन को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है। इसी कड़ी में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग में उप मुख्य प्रबंधक (सूचना प्रौद्योगिकी) के पद पर कार्यरत रेल अधिकारी अखिलेश मिश्रा को उनके द्वारा लिखित उपन्यास ”बिना पंख की उड़ान“ के लिए प्रेमचंद पुरस्कार योजना (आधार वर्ष-२०१७) के तहत प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार उन्हें रेल भवन,नई दिल्ली के सम्मेलन कक्ष में दिनांक ११ दिसंबर, २०१८, को आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में सदस्य कार्मिक, रेलवे बोर्ड एस. एन. अग्रवाल के द्वारा प्रदान किया गया।

कथा/कहानी संग्रह एवं उपन्यास के लेखन में रुचि रखने वाले अखिलेश मिश्रा की रचनाएं समय-समय पर विभिन्न पत्र/ पत्रिकाओं एवं समाचार पत्रों में प्रकाशित होते रहती है एवं इसके पूर्व भी २०१५ में उन्हे उनकी एक और कहानी संग्रह ”इस पथ का अंत कहां“ के लिए इस पुरस्कार के प्रथम स्थान पर सम्मानित किया जा चुका है। प्रेमचंद पुरस्कार योजना के लिए प्रथम पुरस्कार से सम्मानित अखिलेश मिश्रा के द्वारा लिखित उपन्यास मुख्य रूप से गांव के किसानों और उनकी समस्याओं पर आधारित है एवं इस उपन्यास की नायिका एक स्त्री है।

इस उपन्यास का प्रकाशन साहित्य भंडार, इलाहाबाद के द्वारा किया गया है।

पाठकों से अनुरोध

विगत वर्षो की भाँति आगामी वर्ष के लिए अपनी रेल समाचार ब्यूरो पत्रिका को सुरक्षित करने के लिए वार्षिक सद्स्यता शुल्क शीघ्र भेजने की कृपा करें, जिससे उक्त पत्रिका आपको नियमित भेजी जा सके।

सहयोग राशिः
१.उच्चतम अधिकारी- १५०० रु. मात्र
२.उच्च अधिकारी- १००० रु. मात्र
३.अधीनस्थ अधिकारी-७०० रु. मात्र
४.रेलकर्मी/अन्य सदस्य-५००रु.मात्र

प्रबंध संपादक
रेल समाचार ब्यूरो

नहीं लेगा रेलवे कुंभ में मेला सरचार्ज

रे.स.ब्यू./संवा.प्रयागराज। रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार कुंभ मेले के दौरान प्रयागराज के विभिन्न रेलवे स्टेशनों से टिकट लेने वाले यात्रियों से रेलवे अब मेला सरचार्ज नहीं वसूलेगा।

इस पर उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक राजीव चौधरी ने फरमान जारी कर दिया है, उन्होने बताया कि कुंभ के दौरान किसी भी श्रेणी में मेला सरचार्ज नहीं लिया जाएगा। दरअसल कुंभ मेले के दौरान यात्री सुविधाएं बढ़ाने की एवज में ही मेला सरचार्ज लिया जाता है। इसकी दरें भी बोर्ड द्वारा निर्धारित हैं। मेला सरचार्ज १५ रुपये से अधिक के मूल्य वाले टिकट पर लिया जाता है। इसमें जनरल कोच मे सफर करने वालों को पांच रुपये, स्लीपर से १०, एसी थी से २०, एसी टू से ३० एवं एसी फर्स्ट के यात्रियों को ४० रुपये मेला सरचार्ज के रूप में चुकाने होते हैं।

बीते दिनों एनसीआर प्रशासन की ओर से स्थानीय स्तर पर मेला सरचार्ज की दर बड़ा दिया गया था। फिलहाल अब रेलवे ने पूर्ण रूप से मेला सरचार्ज न लिए जाने की बात कही है। बता दें कि कुंभ के दौरान इलाहाबाद जंक्शन, इलाहाबाद सिटी, इलाहाबाद छिवकी, नैनी जंक्शन, विंध्याचल, प्रयाग आदि स्टेशनों से मेला सरचार्ज लिए जाने की व्यवस्था की गई थी, जो अब वापस ले ली गई है।

हिन्दी का काम राष्ट्रभाषा का ही काम नहीं बल्कि राष्ट्रीयता का काम और राष्ट्रीय एकता का काम है।

डॉ. शकर दयाल शर्मा
भू० पू० भारत के राष्ट्रपति

लेखकों से

राष्ट्रीय, सामाजिक, फिल्म, व्यंग्य आदि विषयों पर अप्रकाशित लेख प्रकाशन हेतु आमंत्रित है। अपने हस्तलिखित लेख कागज की एक ओर साफ अक्षरों में भेजें।

प्रधान सम्पादक
ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव

PRAMOD KUMAR TAKES CHARGE AS SDGM AND CVO

RSB/Chennai: Pramod Kumar has taken over charge as Senior Deputy General Manager and Chief Vigilance Officer, Southern Railway on11.12.2018 vice J.P. Pandey who has been posted as Principal Chief Material Manager Western Railway. Prior to this he was Chief Project Director Railway Electrification, Jaipur. A graduate in Electrical Engineering from Agra University He belongs to Indian Railway Service Electrical En gineers (IRSEE) of 1984 UPSC batch and has wide experience in various areas such as Railway operations, Traction Distribution, Rolling Stock operations and Construction. He has worked in various fields over 7 Railways before joining Southern Railway.

He had worked as Deputy Chief Vigilance Officer in Central Organisation for Railway Electrification/Allahabad, Additional Divisional Railway Manager /Jaipur, Divisional Railway Manager/Moradabad, Chief Electrical Engineer, North Central Railway (Allahabad) and Executive Director, Research Design and Standards Organisation.

महाबोधि एक्सप्रेस का भरवारी स्टेशन पर एक मिनट का अस्थायी ठहराव

रे.स.ब्यू./संवा.प्रयागराज। रेलयात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे ने रेलगाड़ी संख्या १२३६७/ १२३६८ गया-नई दिल्ली-गया महाबोधि एक्सप्रेस को दिनांक ०७.१२.२०१८ से छः माह की प्रयोगात्मक अवधि के लिए भरवारी स्टेशन पर निम्नानुसार ठहराव प्रदान करने का निर्णय किया है।

१२३६७ गया-नई दिल्ली महाबोधि एक्सप्रेस रात्रि ०८.२५ बजे १ मिनट के लिए जबकि इसकी वापसी सेवा १२३६८ नई दिल्ली- गया महाबोधि एक्सप्रेस सांय ०७.१२ बजे १ मिनट के लिए भरवारी स्टेशन पर ठहरेगी।

इलाहाबाद मंडल में यूटीएस ऑन मोबाइल एप द्वारा अनारक्षित टिकट की सुविधा

रे.स.ब्यू./संवा.प्रयागराज। डिजिटल इंडिया के सपने को साकार करते हुए भारतीय रेल में क्रिस द्वारा यूटीएस ऑन मोबाइल एप विकसित किया गया है जिसे विंडोज स्टोर या गूगल प्ले स्टोर से डाउन लोड कर प्लेटफार्म टिकट,अनारक्षित टिकट, सीजन टिकट बुक किया जा सकता है तथा सीजन टिकट का नवीनीकरण भी किया जा सकता है।इस एप के माध्यम से यात्री पेपर टिकट एवं पेपर लेस टिकट किसी भी स्टेशन के लिए बुक कर सकते हैं। यूटीएस एप डाउन लोड करने के पश्चात यात्री अपना मोवाइल नंबर, नाम, शहर, निकटतम रेलवे स्टेशन, श्रेणी, टिकट का प्रकार, यात्रियों की संख्या और यात्रा करने के मार्गो का विवरण देकर अपना पंजीकरण करा सकते हैं। पंजीकरण कराने पर यात्री का जीरो बैलेंस का रेल वाईलेट (आर-वॉलेट) स्वतः ही बन जाएगा। आर-वॉलेट को किसी भी यूटीएस काउंटर पर या यू.पी. आई., क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, नेट बैंकिंग के माध्यम से रिचार्ज किया जा सकता है। आर वॉलेट को कम से कम रू १००/- से रिचार्ज किया जा सकता है और इसमें अधिकतम रू १००००/- तक रखा जा सकता है।इस एप के माध्यम से पेपर टिकट बुक करने पर यात्री को पंजीकृत मोबाइल पर एस.एम.एस.द्वारा एवं एप में बुकिंग हिस्ट्री में बुकिंग आ .डी. मिल जाएगी। इस एप्लिकेशन द्वारा टिकट निम्नलिखित चरणों में बुक किया जा सकता है:-१. रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर में पासवर्ड से लॉगिन करें बुक टिकट ऑप्शन में जाएं एवं नार्मल बुकिंग/ क्विक बुकिंग/ प्लेटफार्म टिकट /सीजन टिकट में से संबंधित ऑप्शन चुने। २. पेपरलेस/ पेपर टिकट टिकट का ऑप्शन चुनें। ३.गंतव्य यात्रा के स्टेशन एवं वाया चुन।४. यात्रियों की संख्या, श्रेणी, गाड़ी का प्रकार, भुगतान के प्रकार (डेबिट कार्ड / क्रेडिट कार्ड/यू. पी.आई./नेट बैंकिंग) ५. बुक टिकट का ऑप्शन चुनें आपका टिकट बुक हो जाएगा। ६. यदि आपने पेपरलेस टिकट बुक किया है तो इन्टरनेट कनेक्शन न होने पर भी शो बुक टिकट के ऑप्शन पर जाकर अपना टिकट देख सकते हैं और यात्रा के समय दिखा सकते हैं। ७. यदि आपने पेपर टिकट बुक किया है तो यात्रा प्राम्भ करने वाले स्टेशन के ATVM मशीन या बुकिंग काउंटर से अपना पंजीकृत मोबाइल नं. एवं बुकिंग आई डी का विवरण देकर टिकट का प्रिंट लेना होगा।

IRISET, Secunderabad to Celebrate 61st Anniversary

RSB/Secuenderabad: Indian Railway Institute for Signal Engineering and Telecommunications (IRISET), a premier Railway Centralized Training Institute at Secunderabad, is celebrating 61st Annual Day on 27th Nov 2018. IRISET plays a vital role in training the S&T personnel in Railway Signaling and Telecommunication Technologies. It imparts training to not only the S&T personnel of Indian Railways but also to other organizations in public and private sector like NTPC, DFCCIL, RITES, RVNL and RCIL etc. IRISET is alma mater of all S&T engineers, including Officers of Group A service of Signal Engineers i.e. IRSSE who are also trained here. Established on 24th November, 1957, IRISET has a beautiful campus spread over about 28.3 hectares. IRISET is equipped with 17 state-of-art laborato-ries, and 12 lecture halls provided with modern training facilities. The Institute en-courages an all-round develop-ment of the trainees and is equipped with various sports facilities like badminton, cricket, lawn tennis, basketball, volley ball etc. for recreation purposes. The Institute also has one indoor and one outdoor auditorium to promote various cultural activities. A Heritage Gallery displaying evolution of Signaling and Telecommunications has also been added. This year 145 courses of S&T have been conducted and approximately 3000 S&T personnel have been trained. The training of Indian Railway Service of Signal Engineers (IRSSE) has been restructured this year with inputs from IIM & rural attachment with district authorities. A module of Advanced Managerial training abroad has also been added. Director General (S&T), Railway Board, N. Kashinath has consented to grace the occasion of 61st Annual Day on 27th November, 2018. Vinod Kumar Yadav, General Manager, South Central Railway; Pradeep Kumar, Director General/National Academy of Indian Railways (NAIR), PCSTEs of Zonal Railways and other dignitaries from Railway Board will also be present on the day. On this occasion, Director General (Signal&Telecom) will be inaugurating a distributed EI of Microlok–II. Anniversary issue of technical magazine "Gyandeep & Telecom Hand book" will also be released to mark the occasion.

इतिहास के पन्नो में सिमटा खुल्दाबाद का मुगलकालीन गेट

रे.स.ब्यू./संवा.प्रयागराज। खुल्दाबाद में मुगलकालीन शहर का प्रवेश द्वार अब अतीत हो गया। खुसरोबाग के सब्जी मंडी छोर पर लाखौरी और पत्थर ईंटों वाला गेट सड़क चौड़ीकरण की भेंट चढ़ गया। यह लाखौरी ईंटों और पत्थरों से बना एक प्रवेश द्वार ही नहीं बल्कि ऐतिहासिक धरोहर भी थी, जो अब अतीत हो गई।

बूढ़ी दीवारें यहां से गुजरने वालों से हमेशा गुहार करती रहीं लेकिन न किसी संस्था, न नगर निगम और न ही स्थानीय प्रशासन की ओर से ही इसे बचाने की को पहल की गई। खुल्दाबाद क्षेत्र में ऐतिहासिक खुसरोबाग के दक्षिणी द्वार के करीब जीटी रोड पर स्थित प्राचीन नगर का 'प्रवेश द्वार' अब इतिहास के पन्नों तक सिमट गया है।

स्वास्थ्य और सुविधा

हम अपने स्वास्थ्य के प्रति कितने संजीदा होते है इसका उदाहरण दिन प्रतिदिन हर चौराहों पर खुल रहे अस्पताल और वहां लगने वाली भीड़ को देखकर आसानी से लगाया जा सकता है। लेकिन ये अस्पताल हर किसी की सुविधा के लिए तभी तत्पर होंगे। जब अस्पताल को हम अपने जेब की सुविधा उपलब्ध करायेंगे। सरकार द्वारा जनता के स्वास्थ्य का ख्याल तो किस कदर रखा जाता है। इसका अंदाजा अस्पतालों के बाहर दवाओं व डाक्टरों के लिए भटकते मरीजों को भीड़ बता देती है। पर क्या सरकार हमारे लिए यही सुविधा देती है। नही वह तो स्वास्थ्य के प्रति उतनी ही संजीदगी से सुविधाएं उपलब कराने का दावा करती है जितना वोट मांगते समय नेता। परन्तु जनता तक वह क्यों नही पहुंचता इसका जवाब तो सरकार के पास भी होता है। क्योंकि वह ही सुविधा उपलब्ध कराती है और सुविधा को कितना और कैसा कहां पहुंचाना है यह भी वही तय करती है। ऐसे में सिर्फ अस्पताल को ही दोषी ठहराना तो एकमुर्ही बात होगी क्योंकि अगर सुविधा नही दी जा रही है तो उसके जिम्मेदारी सरकार की होती है। सरकार हो या सरकारी कर्मचारी यह भले ही जनता के प्रति खुद जिम्मेदार न होने की बात कहें। परन्तु लोकतंत्र में सरकार की जनता के प्रति जिम्मेदारी ही लोकतंत्र का बोधक है।

नगर विकास मंत्री ने की कुंभ कार्य की समीक्षा

रे.स.ब्यू./संवा. प्रयागराज। नगर विकास मंत्री नगर विकास मंत्री सुरेश कुमार खन्ना कुम्भ के कार्यो को देखने प्रयागराज पहुंचे और सर्किट हाउस में कुम्भ कार्यो की समीक्षा की। दिनांक ०१.१२. २०१८ को प्रयागराज पहुंचे नगर विकास मंत्री सिविल लाइन्स के हनुमान मंदिर, अलोपीबाग, प्रयागघाट स्टेशन होकर नैनी अरैल गए। विकास कार्यो की गुणवत्ता देखी और काम में देरी पर अफसरों से सवालकिए। उन्होने कहा कि कुम्भ धीरे-धीरे नजदीक आ रहा है और कई बार कार्यों की डेडलाइन बदली गई इसके बाद भी कार्य पूरे नहीं हुए हैं। हाईकोर्ट ने भी इस पर सरकार के कामकाज पर टिप्पणी की है।

अब कुंभ कि ब्रांडिंग करेगी प्रयागराज

रे.स.ब्यू./संवा.प्रयागराज। अगले वर्ष लगने वाले कुंभ मे संगम का विहंगम दृश्य और नए यमुना पुल की खूबसूरती भी ट्रेनों पर उकेरी जा रही है, जिसके लिए विनायल रैपिंग से ट्रेनों के कोच सजाने का काम तेजी से चल रहा है। कुम्भ के दौरान कुल ८०० स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया गया है। कुम्भ का संदेश देने को अब प्रयागराज दूर-दूर तक दिखेगा। संगम तट पर स्थित अकबर का किला, मुगलकाल में बना खुसरोबाग, ब्रितानी हुकूमत में बना इविवि का म्योर हॉल समेत शहर की तमाम खूबसूरत इमारतें इन दिनों ट्रेनों के कोच पर सजाई जा रही हैं। इनमें से ६२२ ट्रेनें उत्तर मध्य रेलवे, ११० ट्रेनें पूर्वोत्तर रेलवे और ६८ ट्रेनें उत्तर रेलवे चलाएगा। स्पेशल ट्रेनों के लिए उत्तर मध्य रेलवे ने १४०० कोच के लिए रेलवे बोर्ड को डिमांड भेजी है। डीआरएम अमिताभ के निर्देशन में वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता अजीत सिंह की देख रेख में यह कार्य कराया जा रहा है।कुम्भ की ब्रांडिंग के लिए तैयार किए जा रहे कोच पर कुम्भ में आने के लिए लोगों को संदेश लिखा जा रहा है। इससे २० कोच वाले ७० रेक तैयार किए जाएंगे। इन कोचो को बाहर से विनायल रैपिंग से सजाकर ट्रेनों में लगाया जाएगा। अब तक उपलब्ध कोच सजाने का काम जंक्शन यार्ड में तेजी से चल रहा साथ ही प्रयागराज की पहचान वाली प्राचीन इमारतों, महत्वपूर्ण धार्मिक और पर्यटन स्थलों के चित्र लगाए जा रहे हैं। ताकि प्रयागराज में होने जा रहे इस भव्य आयोजन की ब्रांडिंग हर कोने मे हो सके।

> जो धर्म दूसरे धर्म का बाधक होता है, वह धर्म नहीं कुधर्म है। सच्चा धर्म वही है जो किसी धर्म का विरोधी न हो।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में सौर ऊर्जा का बढ़ता उपयोग

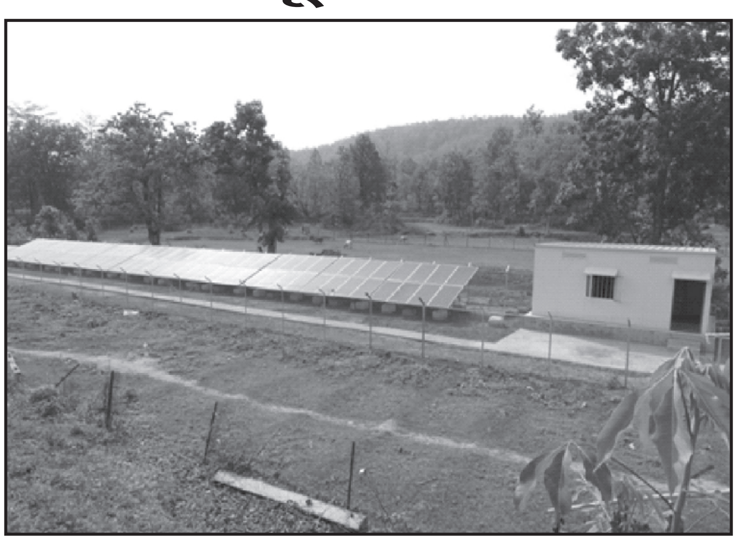

रे.स.ब्यू./संवा.बिलासपुर। कहते है ऊर्जा की बचत ही ऊर्जा की बढ़त है इसलिए ऊर्जा का संरक्षण बहुत ही जरूरी है। रेलवे एक विशाल संगठन होने के नाते यहां ऊर्जा का इस्तेमाल एक बड़े स्तर पर किया जाता है। इसलिए यह जरूरी हो जाता है कि ऊर्जा कि खपत संतुलित रूप से कि जाए एवं जहां आवश्यक हो वहां ऊर्जा कि बचत भी की जाए। वर्तमान में ऊर्जा उत्पादन की प्रक्रिया में पर्यावरण को भी काफी नुकसान हो रहा है एवं आज पूरा विश्व ग्लोबल वार्मिग के खतरे को दूर करने के नये-नये उपाय ढूंढ रहा है। इसी कारण रेलवे जैसे वृहद संगठनो में भी ऊर्जा संरक्षण एवं गैर परंपरागत ऊर्जा के स्त्रोतों का अधिकाधिक उपयोग जरूरी हो गया है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में ऊर्जा संरक्षण सप्ताह का आयोजन दिनांक ०८ से १४ दिसंबर, २०१८ तक मनाया गया। इस सप्ताह के दौरान तीनों मंडलो सहित पूरे दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में ऊर्जा संरक्षण जागरूकता से संबन्धित अनेकों कार्यक्रम आयोजित किए गए। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ऊर्जा के संरक्षण के मामले में प्रारंभ से ही आदर्श रहा है । गैर-परंपरागत ऊर्जा के विभिन्न स्रोतों में सौर ऊर्जा एक सर्वश्रेष्ठ विकल्प है। गैर-परंपरागत श्रोतों से ऊर्जा उपलब्ध कराने एवं ऊर्जा संरक्षण की दिशा में बेहतर योगदान के तहत पूरे दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में अनेकों जगह सोलर पावर प्लांट के निर्माण किए गये है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में अब तक ६६८ किलोवाट क्षमता की सोलर प्लांट की स्थापना की गयी है तथा कुल ४ मेगा वाट क्षमता की सौर ऊर्जा स्थापना की प्रक्रिया जारी है। इसके साथ ही साथ प्राकृतिक ऊर्जा के संसाधनों का भरपुर उपयोग के लिए रेलवे हास्पिटल, रनिंग रुम, ट्रेनिंग स्कूल एवं अनेको लेवल क्रासिंगों में सौर उर्जा पैनल लगाये गए हैं। इसके अतिरिक्त व्यावसायिक उपयोग हेतु भिलाई में ५० मेगा वाट क्षमता की सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना पर भी कार्य किए जा रहे है । वर्ष २०१६ में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मण्डल के अंतर्गत भंवारटंक स्टेशन में लगभग ४० लाख रुपये कि लागत से सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना की गई जिससे भंवारटंक स्टेशन एवं कालोनी को बिजली की आपूर्ति की जा रही है। इस क्षेत्र में इस स्टेशन के आस-पास ट्रांसमिशन लाइन की सुविधा उपलब्ध नहीं थी अतः इस स्टेशन एवं रेलवे कालोनी में इस सौर ऊर्जा संयंत्र के माध्यम से बिजली की आपूर्ति की गई। इसके साथ ही साथ दक्षिण पूर्व मध्य रेलव द्वारा यात्री सुविधा, ऊर्जा संरक्षण एवं पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव की –दृष्टि से पूरे जोन के सभी स्टेशनों एवं कार्यालयों, कारखानों, वर्कशापों में जहां चौबीसों घंटे काम चलता है तथा रेलवे कालोनियों में प्रकाश व्यवस्था के लिए १०० प्रतिशत एलईडी लाईट लगाने का लक्ष्य रखा गया है, जिसके अंतर्गत ११०१ कार्यालय भवनो में एलईडी लाईट लगाए जा चुके है तथा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के सभी २६० स्टेशनों में शत प्रतिशत एलईडी लाईट से प्रकाश की व्यवस्था उपलब्ध कराई गई है, जिससे लगभग १३.८५ लाख यूनिट प्रतिवर्ष की बचत की जा रही है। इसी कड़ी में पिछले ४-५ वर्षो में लगातार दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में लगातार हर वर्ष सौर ऊर्जा क्षमता में नियोजित तरीके से वृद्धि की गई है जिसे वर्षवार दिये गए ग्राफ में देखा जा सकता है। इसके साथ ही साथ इस रेलवे में ३ फेस लोकोमोटिव का भी इस्तेमाल किया जा रहा है, जिनके द्वारा तमहमदमतंजम करते हुए बिजली की काफी बचत करते है। साथ ही साथ लोको पायलटो को भी इस बारे में निरंतर निर्देश दिये जाते है कि उर्जा की बचत ज्यादा से ज्यादा कैसे करें। राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण सप्ताह की समाप्ति के अवसर पर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, मुख्यालय स्थित सभागार में दिनांक १४ दिसंबर, २०१८ को विद्युत विभाग, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के तत्वाधान में लाइटिंग, सौर ऊर्जा, ऊर्जा परिदृश्य एवं उनके प्रभाव के विषय पर एक तकनीकी सेमीनार एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। सेमिनार में मुख्य अतिथि के रूप में सुनील सिंह सोइन, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे उपस्थित थे। इस अवसर पर अनिल कुमार, अपर महाप्रबंधक, ब्रजेश गुप्ता, मुख्य विद्युत इंजीनियर, समस्त अधिकारीगण उपस्थित थे ।

भारतीय रेल ने लोकोमोटिव को डीजल से इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन में बदलकर किया कीर्तिमान स्थापित

रे.स.ब्यू./संवा.नई दिल्ली। भारतीय रेल ने उल्लेखनीय रूपांतरण के साथ डीजल लोकोमोटिव से रूपांतरित किये गये नये प्रोटोटाइप इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव की शुरूआत की है। भारतीय रेल के १०० प्रतिषत विद्युतीकरण मिशन एवं डि-कार्बोनाइजेशन एजेंडा को ध्यान में रखते हुए डीजल लोकोमोटिव वर्क्स, वाराणसी ने मिड-लाइफ डीजल लोकोमोटिव का साधन-सम्पन्न एवं नवीनतम रूपांतरण करके इस प्रोटोटाइप का विकास किया है। इस रूपांतरण की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि यह विश्वभर में डीजल लोकोमोटिव से इलेक्ट्रिक में अपनी तरह का पहला रूपांतरण है। अनिवार्य परीक्षण के बाद लोकोमोटिव ने ७५ किमी प्रतिघंटे की अधिकतम स्वीकार्य गति पर ५२०० टन लोड की ढुलाई के साथ ३ दिसम्बर २०१८ को वाराणसी से लुधियाना तक अपना पहला सफर पूरा किया परियोजना की मुख्य विशेषताएं निम्नानुसार हैं:-इस महत्वाकांक्षी एवं ऐतिहासिक परियोजना पर कार्य २२ दिसम्बर, २०१७ को प्रारंभ हुआ और २८ फरवरी, २०१८ को नया लोकोमोटिव डिस्पैच किया गया। डीजल लोकोमोटिव से इलेक्ट्रिक में रूपांतरण की परिकल्पना से निष्पादन तक का कार्य मात्र ६६ दिनों में पूरा किया गया। यह अपने इन - हाउस संसाधनों एवं चितरंजन लोकोमोटिव वर्क्स, डीजल लोको आधुनिकीकरण वर्क्स एवं अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन के सहयोग से डी.एल. डब्ल्यू. में पूर्ण की गई 'मेक इन इंडिया' परियोजना है। यह डीजल लोकोमोटिव के मिड-लाइफ पुनर्वास को बंद करके उसे इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव मे रूपांतरित करने तथा इसकी कोडल लाइफ तक लाभकारी उपयोग के लिए बनाई गई योजना है। डीजल इंजन को १८ वर्ष की अवधि से आगे भी चलाने के लिए उसका मिड-लाइफ अनुरक्षण बेहद अपरिहार्य एवं अनिवार्य है । डीजल इंजन को विद्युत इंजन में तबदील करने में इस लागत का मात्र ५० व्यय होगा। डब्ल्यू. डी. जी. ३-क्लास डीजल लोकोमोटिव जो कि मिड-लाइफ पुनर्वास के लिए देय था, को इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव में रूपांतरित किया गया है और नया स्वदेशी 'मेक इन इंडिया' इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव ५,००० एचपी पावर डिलीवर करता है जो कि पुराने लोकोमोटिव के २,६०० एचपी रेल हॉर्स पावर से ६२ प्रतिशत अधिक है।' लोकोमोटिव पैक्स १०००० एचपी पावर लगभग ५००० टन तक लोड ढोने के लिए पर्याप्त हैं जो लोड के तेजी से पारगमन के लिए उपयुक्त है और भारतीय रेल पर गतिशीलता में सुधार के लिए उपयुक्त भार अनुपात २-१ हार्स पावर शक्ति प्रदान करता है।'

यह उल्लेखनीय है कि रूपांतरण की लागत लगभग २.५ करोड़ है जो कि डीजल लोकोमोटिव व्यय के मिड-लाइफ पुनर्वास का केवल ५० प्रतिषत है, तथापि, इन लोको के मिड-लाइफ पुनर्वास के निष्पादन के स्थान पर डीजल लोकोमोटिव को इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव में रूपांतरित करने से प्रति लोकोमोटिव २.५-३.० करोड की सीमा तक़ समग्र बचत होगी।' इसलिए यह न केवल किफायती है बल्कि मालभाड़ा ट्रेनों की औसत गति में भी वृद्धि करता है जैसा कि रूपांतरित लोकोमोटिव की हॉर्स पावर लगभग १०० प्रतिषत तक बढ़ाई गई है।यह परियोजना निश्चित ही ट्रैक्शन ऊर्जा बचत की दिशा में एक बड़ा कदम है जिससे भारतीय रेल के ईंधन बिल में कमी आयेगी और भारतीय रेल मे तकनीकी की शुरूआत के अलावा कार्बन उत्सर्जन में भी कमी आयेगी।

यह परियोजना कई मायनों में भारतीय रेल का एक विशिष्ट निर्माण है और वित्त पर अधिक भार दिये बिना तैयार की गई है और विश्व में अपनी तरह की पहली परियोजना है। भारतीय रेल का १०० प्रतिशत विद्युतीकरण मिशन भारतीय रेल ने ब्रॉडगेज नेटवर्क के १०० प्रतिशत विद्युतीकरण और डि-कार्बोना- इजेशन मिशन पर विशेष जोर दिया है।

निराला पंछी - सुश्री अमृता शर्मा

इक पंछी था बैठा नीचे,
डरा सहमा सा आंखे मीचे।
सभी डड़ें, वो उड़ न पाये,
मन ही मन वो घबराए।
प-पल समय बीते,
नहीं फर्क उसमें कुछ दीखे।
जाने कौन, कहां से आया,
पंछी को उसने समझाया।
पंछी तू है निराला,
दूर गगन में उड़ने वाला,
बैठा क्यों तू नीचे,
डरा-सहमा सा आंखे मीचे।
अंखे खोल, न हो हैरान,
अपने-आपको तू पहचान।

तू चाहे तो ऊंचा उड़ले,
चाहे तो अम्बर को छूले।
नहीं मुश्किल कुछ, सब है आसान
बस इक बार तू मन में ठान।
सुनकर उसकी ये बातें,
पंछी ने खोली आंखे,
डर घबराहट छोड़ी,
पर खोले, मन में ठाना
अब अम्बर हो ठिकाना,
भरी उसने ऐसी उड़ान,
अम्बर छूना हुआ आसान।
पंछी गगन में उड़ता जाए,
मन ही मन में गाए,
धन्य हो तुम अंजान,
कराई जिसने मुझे अपनी पहचान

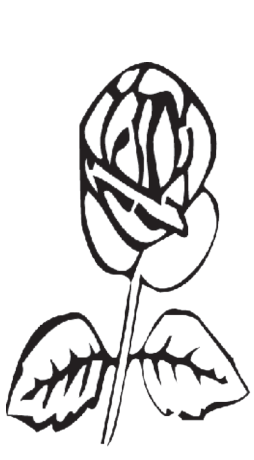

Southern Railway wins accolades for reviving Vintage Steam Locomotives

RSB/Chennai:Southern Railway has bagged two of the seven awards conferred at the 16th National Congress of Indian Steam Railway Society (ISRS) held on 17th November, 2018 at the National Rail Museum, New Delhi in recognition of its outstanding contribution to the cause of revival of two vintage steam locomotives viz., EIR-21 and X-37392. The shields were presented by Dr.Mahesh Sharma, Hon'ble Union Minister of Culture and Rajen Gohain, Hon'ble Union Minister of State for Railways and received by A.K.Kathpal, Principal Chief Mechanical Engineer, Southern Railway. EIR-21, the 163 year old steam locomotive refurbished by Perumbur Loco Works, Chennai has been enthralling scores of heritage enthusiasts and Steam Loco aficionados through the heritage special runs organised by Southern Railway from time to time. While Chennai, Tiruchchirappalli and Madurai Divisions have already conducted heritage special commercial runs, similar runs are proposed to be conducted by Salem, Thiruvanantha-puram and Palakkad Divisions shortly. With the concerted efforts of Southern Railway Administration and CRB, EIR-21 has been recommended for inclusion in the Guiness Book of World Records. The century old 'X' Class Metre gauge coal-fired Locomotive X-37392 has won laurels for its heritage special run in Nilgiri Mountain Railway. The loco was overhauled and revived by the Mechanical Wing of Southern Railway under the special instructions of Chairman Railway Board. A.K.Kathpal, Principal Chief Mechanical Engineer and the team of officials from Mechanical Department of Southern Railway met R.K.Kulshrestha, GM and handed over the award shields. GM appreciated their efforts in recreating the nostalgia of steam loco runs which is being well received by tourists and steam loco aficionados all over the country.

युवाओं को रोजगार उपलब्ध करा रही है मॉडर्न कोच फैक्ट्री -प्रधानमंत्री

रे.स.ब्यू./संवा. प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के एक दिवसीय दौरे पर प्रधानमंत्री मोदी, ने दिनांक १६.१२.२०१८ को यूपी के रायबरेली में मॉडर्न कोच फैक्टरी का दौरा किया। एक सार्वजनिक बैठक के दौरान उन्होंने ६००वें कोच तथा एक हमसफर रेक को झण्डी दिखाई। उन्होंने रायबरेली में विभिन्न विकास परियोजनाओं को राष्ट्र के नाम समर्पित किया, उनका उद्घाटन किया या शिलान्यास किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि आज जिन परियोजनाओं को समर्पित किया गया है, उद्घाटन किया गया है या जिनका शिलान्यास किया गया है, उनका संचित मूल्य १,००० करोड़ रुपए के बराबर है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मॉडर्न कोच फैक्टरी युवाओं को रोजगार उपलब्ध करा रही है और यह रायबरेली को रेल कोच विनिर्माण का एक वैश्विक हब बना देगी। प्रधानमंत्री ने स्मरण किया कि १९७१ में आज के ही दिन भारतीय सेना ने आंतक, क्रूरता एवं अराजकता के प्रतीक को हराया था। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज एक तरफ सरकार सशस्त्र बलों को मजबूत बनाने के प्रयास कर रही है तो दूसरी तरफ ऐसे लोग भी हैं जो नहीं चाहते हैं कि हमारी सशस्त्र सेना मजबूत हो। उन्होंने कहा कि जो केवल झूठ ही बोलते हैं वे रक्षा मंत्रालय, वायुसेना एवं यहां तक कि एक विदेशी सरकार पर भी आशंकाएं जता रहे हैं। उन्होंने कहा कि झूठ बोलने की प्रवृति पर केवल सच्चाई द्वारा ही विजय पायी जा सकती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब देश की सुरक्षा एवं सशस्त्र बलों की आवश्यकता का सवाल आता है तो केन्द्र सरकार केवल राष्ट्र के हित को ही ध्यान में रखती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने के लिए केन्द्र सरकार ने पहले ही २२ फसलों के लिए एमएसपी बढ़ा दिया है। इसी निर्णय से किसानों को ६० हजार करोड़ रुपए की अतिरिक्त राशि उपलब्ध होगी।

Heartline
Heartline Cardiac Care Centre
14/18, Elgin Road, Near Civil Lines Bus Station
Behind BIG BAZAAR, BSNL Office
Allahabad
For Appointments : 8726209111
● ANGIOGRAPHY ● ANGIOPLASTY ● ECHO & COLOUR DOPPLER ● TMT ● HOLTER ● PERMANENT PACEMAKER
22 वर्षों से हृदय रोगियों की सेवा में समर्पित
इलाहाबाद का सर्वप्रथम एवं सर्वश्रेष्ठ हृदय रोग चिकित्सा केन्द्र
हार्टलाइन हृदय रोग अस्पताल
14/18, एल्गिन रोड, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद बस अड्डे के पास, बिग बाज़ार के पीछे - मो. 8726209111

हृदय रोग के कारण	हृदय रोग के लक्षण	सुविधा उपलब्ध
धूम्रपान	सीने बाँह व कंधे मे दर्द	ई.सी.जी
रक्तचाप (ब्लड प्रेशर)	बदन या पैरों में सूजन	ईको एवं कलर डॉपलर
मधुमेह (डॉयबिटिस)	खाँसी आना, हाँफना	एक्स-रे
मोटापा	साँस फूलना	होल्टर
मानसिक तनाव	कमजोरी, थकावट	टी.एम.टी.
गतीहीन जीवनशैली	पसीना, बेहोशी आना	स्ट्रेस ईको
हृदय रोग की परिवारिक समस्या	धड़कन बढ़ना	एन्जीयोग्राफी
खून में चर्बी की अधिक मात्रा	चक्कर आना	एन्जीयोप्लास्टी
अनियमित खान-पान	घबराहट होना	पेस्मेकर लगाना

परामर्श का समय : सुबह 9 बजे से 3 बजे तक
अत्याधुनिक उपकरणों से परिपूर्ण गंभीर हृदय रोग कक्ष
24 घण्टे सेवा उपलब्ध

जनवरी से शुरू होगी यूपी में टेली मेडिसिन की सुविधाः स्वास्थ्य मंत्री

रे.स.ब्यू./संवा। बेहतर इलाज मुहैया कराने के लिए मरीजों को टेली मेडिसिन व टेली रेडियोलाजी की सेवा अगले साल जनवरी से शुरू कर दी जाएगी। इसके साथ १५० मेडिकल मोबाइल यूनिट भी शुरू की जाएगी। सिद्धार्थ नाथ सिंह, स्वास्थ्य मंत्री, उत्तर प्रदेश ने यह जानकारी दिनांक १२.१२.२०१८ को बुधवार को स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ दोनों सेवाओं की लान्चिंग संबंधी समीक्षा बैठक में दी। सचिवालय में आयोजित बैठक में स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि दोनों सेवाओं के लिए प्रदेश को दो कलस्टर में बांटा गया है। इनमें २८ जिले बहराइच, बलरामपुर, श्रावस्ती,गोंडा, इलाहाबाद, फतेहपुर,हमीरपुर, कौशांबी, प्रतापगढ़, चित्रकूट, कानपुर देहात, भदोही, मिर्जापुर, सोनभद्र, चंदौली, आजमगढ़,गाजीपुर, जौनपुर, वाराणसी, बलिया, मऊ, बस्ती, संत कबीरनगर, सिद्धार्थनगर, देवरिया, गोरखपुर, कुशीनगर और महराजगंज शामिल हैं।

पाठक ध्यान दें

उक्त पत्रिका अपनी प्रकाशित पत्रिका रेल समाचार ब्यूरों आप सभी ग्राहको/सदस्यों एवं विशिष्टि व्यक्तियों को नियमित भेजी जा रही है। कभी-कभी विद्युत आपूर्ति एवं प्रेस कर्मीयों के क्षणीक आभाव के कारण विलम्ब से पावती के लिये खेद वक्त करता है।

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी
ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव
दि. इलाहाबाद ब्लाक वर्क्स प्रा. लि. ३२६/२५५, चक, जीरो रोड, इलाहाबाद से मुद्रित एवं ५०२ पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड, नेतानगर,कीडगंज इलाहाबाद-२११००३ से प्रकाशित। आर.एन. आई नं.५१०६७-९० पोस्ट ए.डी-८ मो.९७९३९५६०४४ ९६५१८०४७८८, ९६३५२२४८६७ फोन नं.-०५३२-२४१८०४०

हिन्दी भाषा मेल-मिलाप की भाषा
हिन्दी भाषा हम सब की भाषा

समस्त प्रकार के कानूनी मामलों का न्यायिक क्षेत्र इलाहाबाद होगा।

The Only Institute in Alld. Having Results Since 1984
BANK P. O.
SSC • M.B.A. • CAT, MAT • NTSE • GD & INTERVIEWS
CLAT
LAW ENTRANCES
ALLD. UNIVERSITY
B.H.U., D.U.
JAMIA MILLIA ETC.
FOR SURE SUCCESS
HOPES COME TRUE WITH US
PIONEER
Law & Banking Tutorials
Colonelganj, Allahabad
M.: 9839065783 Ph.: 0532-2460610

सभी जेड.आर.यू.सी.सी/डी.आर.यू.सी.सी. सदस्यों को नामित होने पर हार्दिक बधाई

उक्त पत्रिका आपको नियमित रूप से भेजी जा रही है। कृपया अपने परिक्षेत्र में हुए रेल सुधारों /सुझावों के बारे में अपना लेख प्रकाशन हेतु हमें भेजने की कृपा करें।

प्रधान सम्पादक- ज्ञानेंद्र कुमार श्रीवास्तव
मो९७९३९५६०४४

संरक्षा नियमों का उल्लंघन दुर्घटना का आमंत्रण है।

Railway Passengers Safety & Amenities Association

Aim of the Society is to serve the Railway Passengers

Camp Office: House No. 8439, Arya Nagar
Paharganj, New Delhi-55
(M) 9793956044,8826765066
E-mail:railsamacharbureau@rediffmail.com
Vice Chairman
Gyanendra Kumar Srivastava

Regd. Office : 502, Panchshila Bhawan,
Triveni Road, Kydganj Allahabad-211003
Ph. : 0532-2418040
(M) 9793956044, 9651804788
Office Secy. :
S. Katar, Mrs. Kiran

उक्त संगठन में आप भी सदस्य होकर रेल यात्रियों की सेवा कर सकते हैं। शीघ्र मिले या पत्र व्यवहार करें।